

‘राजीव गांधी जल संचय योजना’ के द्वितीय चरण को प्रारंभ करने का नरिणय

चर्चा में क्यों?

7 सतिंबर, 2022 को राजस्थान ग्रामीण वकिस एवं पंचायतीराज वभिग की प्रमुख शासन सचवि अपरणा अरोरा ने बताया किराज्य सरकार ने ‘राजीव गांधी जल संचय योजना’के द्वितीय चरण को प्रारंभ करने का नरिणय लयिा है, जसिके संबंघ में आदेश जारी कयिा गया है ।

प्रमुख बदि

- सचवि अपरणा अरोरा की ओर से जारी आदेशानुसार योजना के द्वितीय चरण के प्रमुख उद्देश्य आम जनता से चर्चा कर प्राथमकता से पक्के एनीकट, एमआईटी, डब्ल्यूएचएस एवं एमएसटी का नरिमाण कराना, वभिनिन वत्तितीय संसाधनों का कन्वर्जेन्स कर परंपरागत पेयजल एवं जल स्रोतों को पुनरजीवति कराना है ।
- इसी प्रकार गाँवों में पेयजल की कमी को दूर करने हेतु पीने के पानी को गाँव या गाँवों के नज़दीक उपलब्ध कराना, भू-जल स्तर में वृद्धि कराना, वर्षा जल संग्रहण एवं संरक्षण कर सचिती एवं कृषा योग्य क्षेत्रफल को बढ़ाना, जल एवं मृदा संरक्षण कर सचिती एवं कृषा योग्य क्षेत्रफल को बढ़ाना इत्यादि इसके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं ।
- द्वितीय चरण में राजस्थान की 352 पंचायत समतियिों के लगभग 4500 गाँवों को इस अभयिान में शामिल कयिा गया है ।
- द्वितीय चरण की कार्य अवध 2 वर्ष रहेगी । इसके प्रभावी करयिान्वयन एवं मॉनटरिंग के लयिे राज्य, ज़िला व ब्लॉक स्तर पर समतियिों का गठन कयिा गया है । इसके साथ ही कार्य योजना के प्रचार-प्रसार हेतु ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यकारी समतिका गठन भी कयिा गया है ।
- द्वितीय चरण के करयिान्वयन हेतु ग्रामीण वकिस एवं पंचायतीराज वभिग प्रशासनकि वभिग एवं जलग्रहण वकिस एवं भू-संरक्षण वभिग नोडल वभिग रहेगा । इस योजना के प्रभावी करयिान्वयन हेतु ज़िला कलकटर नोडल अधिकारी रहेंगे ।
- उल्लेखनीय है किराज्य में वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण, संरक्षण एवं उपलब्ध जल का नयायोचति उपयोग करने हेतु 20 अगस्त, 2019 को राजीव गांधी जल संचय योजना की शुरुआत हुई थी । प्रथम चरण में 1450 ग्राम पंचायतों में 4029 गाँव शामिल कयिे गए थे ।